

**गेहुअँन** पुं. (देश.) 1. एक प्रकार का सर्प जो गेहूँ के रंग का फनवाला और बहुत विषैला होता है 2. विषैला साँप।

**गेहुआँ** वि. (तद्.) गेहूँ जैसे रंग का, गंदुमी पुं. गेहूँ जैसा रंग।

**गेहूँ** पुं. (तद्.) 1. एक पौधा जिसकी बालों में छोटे और लंबोतरे बीज/दाने लगते हैं जिनके आटा से बनी रोटी, पूरी आदि खायी जाती है 2. उक्त पौधे के बीज/दाने मुहा. गेहूँ के साथ घुन पिसना 1. बड़ों के साथ में होने के कारण निर्दोष छोटी का भी नाश या हानि होना 2. कुसंगति के कारण नाश/हानि होना।

**गेंग** पुं. (अं.) 1. कैदियों, दासों या कर्मियों का जत्था 2. बुरा काम करने वालों का दल, गिरोह।

**गेंडगीन** स्त्री. (अं.) ऊतकों को रक्त मिलना बंद होने के कारण अंग के नष्ट होने की स्थिति।

**गेंडा** पुं. (देश.) 'गेंडा' नामक जंगली पशु।

**गेंता** पुं. (देश.) कुदाल, मिट्टी खोदने का एक उपकरण जिसका लोहे का बना भाग आगे से चौड़ा तथा धारदार होता है।

**गै** पुं. (तद्.) है गै वाहन सघन धन, छत्र धुजा फहराई- कबीर (साखी) अ.क्रि. 1. गया, गयी 2. व्यतीत हो गया/गयी, बीता/बीती।

**गैगई** स्त्री. (देश.) मैना के आकार की एक चिड़िया जिसका रंग फीका धूसर-भूरा होता है तथा आवाज 'केए-केए' जैसी होती है।

**गैगहण/गैगहन** वि. (तद्.) डिंगल आकाश गुँजाने वाला।

**गैति** स्त्री. (तद्.) हाथियों का समूह/झुंड।

**गैन** पुं. (तद्.) 1. गमन, जाना 2. गगन, आकाश।

**गैन** पुं. (तद्.) श्रेष्ठ हाथी, गजेंद्र वि. (देश.) छोटे कद का नाटा पुं. नाटा बैल स्त्री. (फा.) फारसी वर्णमाला का एक वर्ण जिसकी ध्वनि 'ग' होती है जैसे- 'गरीब' शब्द 'गैन' से लिखा जाता है।

**गैना** पुं. (देश.) आभूषण, गहना वि. छोटे कद का/नाटा पुं. नाटा बैल।

**गैडोलीनियम** पुं. (अं.) एक धातु (रसायन) एक धात्विक तत्व।

**गैनी** वि. (तद्.) छोटे कद की, नाटी।

**गैब** पुं. (अर.) 1. परोक्ष 2. अदृश्य लोक, परलोक 3. भाग्य।

**गैबडीन** पुं. (अं.) एक विशेष प्रकार का कुछ मोटा कपड़ा जो सूती/ऊनी दोनों प्रकार का होता है।

**गैबर** पुं. (देश.) एक चिड़िया जिसकी चोंच और पैर लाल होते हैं तथा दुम काली होती है।

**गैबी** वि. (अर.) गैब से संबंधित 1. परोक्ष की 2. परलोक की 3. देवी 4. गुप्त 5. नया और अपरिचित 6. किसी अज्ञात जगह से लाया हुआ।

**गैयर** वि. (तद्.) गजवर, गजेंद्र।

**गैयर** वि. (देश.) गाय जैसा सरल स्वभाव का जैसे- गैयर आदमी।

**गैया** स्त्री. (तद्.) गाय, गऊ।

**गैर** स्त्री. (देश.) गली, मार्ग पुं. (देश.) स्थान, ठौर 2. आश्रय वि. (अर.) अन्य, दूसरा, पराया।

**गैरत** स्त्री. (अर.) 1. लज्जा, शर्म 2. स्वाभिमान।

**गैरिक** पुं. (तद्.) 1. गेरू 2. स्वर्ण, सोना।

**गैरियत** स्त्री. (अर.) 1. गैर होने की अवस्था/भाव, परायापन 2. आत्मीयता का अभाव।

**गैल** स्त्री. (देश.) 1. मार्ग, रास्ता 2. गली।

**गैलन** पुं. (अं.) द्रवों के आयतन की एक इकाई टि. सामान्यतः 1 गैलन 4.55 लिटर।

**गैलरी** स्त्री. (अं.) दीर्घा, दालान जैसे- दर्शक-गैलरी।

**गैला** पुं. (देश.) 1. बैलगाड़ी आदि के पहियों की लीक 2. बैलगाड़ी आदि के चलने का मार्ग 3. यात्री, पथिक अ.क्रि. गया वि. गया-बीता, तुच्छ।